**श्री कल्पनाथ राय** : आपको मेरी बात सुननी होगी । आप लोग जब सरकार में होंगे तो लाठी गोली चलेगी । आप जब सरकार में होंगे तो किसानों का गन्ना जलवायेंगे । जो सरकार अच्छा काम कर रही है, उस सरकार के खिलाफ इस तरह की बातें उचित नहीं । इन शब्दों के साथ में इस प्रस्ताव का विरोध करता करता हूं । धन्यवाद ।

श्री कैलाशनारायण सारंग : "जिनको न पीने का सलीका न पिलाने का शऊर, ऐसे कमज़र्फ को महफिल में बुलाते क्यों हो ।

---

## THE COIR INDUSTRY (AMENDMENT) BILL, 1993

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): Madam, I move.

That the following amendments made by the Lok Sabha in the Coir Industry (Amendment) Bill, 1993, be taken into consideration, namely:—

ENACTING FORMULA

1. Page 1, line 1,—

*for* 'Forty-fourth' *substitute* 'Forty-fifth'

CLAUSE-1

2. Page 1, line 3,—

*for* '1993' *substitute* '1994'

*The question was put and the motion was adopted.*

SHRI M. ARUNACHALAM: Madam, I move:

That the amendments made by the Lok Sabha in the Bill be agreed to.

*The question was put and the motion was adopted.*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know it is quarter to seven o'clock now. The Minister of Health is here for giving the reply. If Members want, we can ask him to reply.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Madam, the Ordinances are being passed, and it will be reported... (*Interruptions*).

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Madam, Special Mentions are there. M

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, the Special mentions are pending. Now I will call the names for the Special Mentions.

---

## SPECIAL MENTIONS

### Insult and humiliation to the Chairman of Scheduled Castes Scheduled Tribes Commission

**श्रीमती सुषमा स्वराज** (हरियाणा) : उपसभापति महोदया' दलितों पर होने वाले अत्याचारों की घटनायें आये दिन अखबारों में छपती हैं और अक्सर उन मसलों को सदन में भी उठाया जाता है । लेकिन जब भी हम लोग सरकार से यह पूछते हैं कि इस समस्या के निराकरण के लिये सरकार ने क्या उपाय सोचें हैं तों बहुत ही दभ के साथ एक बात बार-बार सरकार की ओर से कही जाती है कि हमने अनुसूचित जाति और अनसूचित जनजाति के लिये एक राष्ट्रीय आयोग का गठन किया । यह बात एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर सरकार की ओर से गिनाई जाती हैं । लेकिन आज मैं आपके माध्यम से सरकार में बैठे हुये लोगों से यह पूछना चाहती हूं कि यदि राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष स्वयं अत्याचार के शिकार हो जायें तो वह किस के दर पर जाकर गुहार करें? इस समय यह मसला सदन में उठाते समय मेरे हाथ में अनसूचित जाति और